दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 नए टाउनशिप के विकास के लिए यूपी में लागू किया जाएगा गोरखपुर माडल

5 सौतेले पिता की हत्या

8 इन खिलाड़ियों की एंट्री से खतरनाक हो जाएगी भारत की प्लेइंग 11

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 5 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 28 अगस्त, 2023

हर सपने को साकार करने का प्रेरणा देता है तिरंगाः पीएम मोदी

पीएम मोदी बेंगलुरु से दिल्ली पहुंचे। इस दौरान पालम एयरपोर्ट पर जेपी नड्डा ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट के बाहर लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रयान-3 के लैंडर ने जिस प्वाइंट पर चांद पर अपना कदम रखा था उस प्वाइंट को शिव शक्ति के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि हर साल 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को बेंगलुरु से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज जब मैं इसरो पहुंचा तो चंद्रयान द्वारा जो तस्वीरें ली गई थीं, उन्हें पहली बार रिलीज करने का सौभाग्य भी मिला। प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रयान-३ के लैंडर ने जिस प्वाइंट पर चांद पर अपना कदम रखा था, उस प्वाइंट को शिव शक्ति के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि जब शिव की बात होती है तो हिमालय की याद आती है। वहीं, जब शक्ति की बात आती है कन्याकुमारी याद आता है।

पीएम मोदी ने कहा कि ४० साल तक भारत के किसी प्रधानमंत्री ने ग्रीस की यात्रा नहीं की थी, लेकिन मुझे वहां जाने का सौभाग्य मिला। ग्रीस भारत के लिए यूरोप का प्रवेश द्वार बनेगा। भारत और ग्रीस की दोस्ती आने वाले दिनों में और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि २३ अगस्त को जब भारत ने चंद्रमा पर तिरंगा फहराया, उस दिन को अब नेशनल स्पेस डे के रूप में मनाया जाएगा। जेपी नड्डा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि चंद्रयान-३ की सफलता पर पूरे देश को गर्व है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने ब्रिक्स में अपना स्थान बनाया ही है, दुनिया को निर्देशित भी किया है। ग्रीस में भी प्रधानमंत्री ने भारत को गौरवान्वित करने का काम किया।

बढ़ाई गई दसवीं के परीक्षा फार्म भरने की डेट

लखनऊ।शासन के अनुसार कक्षा १० व १२वीं के संस्थागत व व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के परीक्षा शुल्क प्राप्त करने/आवेदन पत्र आनलाइन भरने की तिथि १६ अगस्त से बढ़ाकर १० सितंबर कर दी गई है। १० सितंबर तक १०० रुपये प्रति छात्र विलंब शुल्क के साथ परीक्षा शुल्क चालाना के माध्यम से कोषागार में जमा किए जा सकेंगे। वहीं विलंब शुल्क के साथ जमा परीक्षा शुल्क की सूचना, शैक्षिक विवरण वेबसाइट पर इसी तिथि तक अपलोड कर सकेंगे। ११ से १३ सितंबर तक अ नलाइन अपलोड सूचना की जांच कर सकेंगे लेकिन इसमें अपडेशन नहीं हो सकेगा। १४ से २० सितंबर तक आनलाइन विवरण में संशोधन किया जा सकेगा लेकिन नया पंजीकरण नहीं होगा। वहीं कक्षा नौ व ११वीं के पंजीकरण करने की तिथि भी २५ अगस्त से बढ़ाकर १० सितंबर कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव डा . रुपेश कुमार ने बताया कि ५० रुपये पंजीकरण शुल्क की दर से कोषागार में एकमुश्त जमा व शैक्षिक विवरण आनलाइन अपलोड किया जा सकेगा।

डिस्ट्रीब्यूटरशिप के लिए संपर्क करे, 7007789842

http://www.darjeelingteagarden.com

दिव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होंगे 25 हजार श्रद्धालु

अयोध्या। राममंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक शुक्रवार से शुरू हुई। इससे पूर्व मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राममंदिर समेत अन्य परियोजनाओं का भौतिक निरीक्षण किया। इसके बाद रामजन्मभूमि परिसर स्थित मंदिर निर्माण की कार्यदायी संस्था एलएंडटी के कार्यालय में बैठक की गई।

अप्रैल माह से लगातार प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हो रही बैठकें

मंदिर निर्माण समिति से पहले प्राण प्रतिष्ठा प्रबंधन योजना समिति की बैठक भी हुई। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने बताया कि अप्रैल माह से लगातार प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बैठकें हो रही हैं। शुक्रवार को समिति के ३० सदस्यों के साथ बैठक हुई।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां शुरु

बैठक में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आने वाले ऐसे २५ हजार श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था करने पर विमर्श हुआ, जिनके पास रहने-खाने का इंतजाम नहीं होगा। इनके लिए जगह-जगह भंडारे का आयोजन होगा। टेंट सिटी बनाकर इनके रहने के इंतजाम होंगे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेंगी ये सुविधायें

बैठक के बाद तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्र ने बताया कि तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र, पावर स्टेशन, वाटर प्लांट, परकोटा, रिटेनिंग वाल, लाइटिंग आदि योजनाओं की प्रगति जानी गई। कार्यदायी संस्था के अभियंताओं ने विश्वास दिलाया कि मंदिर निर्माण की पूरक यह सभी योजनाएं दिसंबर तक पूरी हो जाएंगी।

मंदिर के भूतल का काम अंतिम चरण में

डा. अनिल ने बताया कि मंदिर के भूतल का काम अंतिम स्पर्श की ओर है। भूतल में मूर्तिकारी का काम चल रहा है व मंदिर की आंतरिक परिक्रमा की फर्श बनाई जा रही है। परकोटे का काम भी संचालित है। जहां-जहां परकोटा निर्माण से मंदिर निर्माण कार्य में बाधा नहीं आएगी, वहां काम चलता रहेगा। शेष परकोटा निर्माण मंदिर बनने के बाद होगा। बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय, निर्माण प्रभारी गोपाल, ट्रस्ट की ओर से नियुक्त प्रोजेक्ट मैनेजर जगदीश आफले आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

यूपी के हर जिले में होगी साइबर क्राइम थानों की स्थापना

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साइबर अपराधों पर सख्ती से लगाम लगाने के लिए पुलिस को हर स्तर पर साधन-संपन्न करने का निर्णय लिया है। शनिवार को प्रदेश में साइबर सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वर्तमान में परिक्षेत्रीय स्तर पर संचालित साइबर क्राइम पुलिस थानों को अब सभी ७५ जिलों तक विस्तार दिया जाए और वर्तमान में जिला स्तर पर संचालित साइबर सेल को आगे बढ़ाते हुए हर एक थाने में साइबर सेल गठित किया जाए। मुख्यमंत्री के इस निर्देश के बाद आगामी दो माह के भीतर प्रदेश में ५७ नए साइबर क्राइम थानों की स्थापना होगी, जबकि हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क के अलावा अब साइबर सेल भी क्रियाशील होगा। सभी साइबर पुलिस क्राइम थाने स्थानीय पुलिस लाइन में स्थापित किए जाएंगे।

सम्पादकीय

चुनाव तक हमें चांद चाहिए

हमारा देश अपने वैज्ञानिकों की उपलब्धियों पर अवश्य गर्व करे, मगर साथ में उन परिस्थितियों की भी पड़ताल करे, जिस वजह से उन्हें आत्महत्या के लिए विवश होना पड़ता है। २०१४ से पहले, और बाद में भी इसरो समेत देश के प्रमुख वैज्ञानिक शोध संस्थानों में खु दकुशी व रहस्यमय हत्याओं की घटनाएं हुई हैं। पूरा देश मदमस्त है। होना भी चाहिए। मोदी जी के नेतृत्व में इतनी बड़ी सफलता। रूस कभी साउथ पोल पर रचना चाहता था इतिहास, उसे भारत ने पीछे छोड़ दिया। पाकिस्तान वालों के सीने पर सांप लोट रहा है। वाघा ब र्डर पार इतना सन्नाटा क्यों है भाई? इत्थे देखो। यहां अब कोई टमाटर का भाव नहीं पूछेगा। यदि किसी करमजलिये ने टमाटर-प्याज-पेट्रोल का भाव पूछा, भक्तजन चांद दिखा देंगे। वोटरों को जून २०२४ तक चांद दिखाते रहेंगे। साथ में दिखायेंगे पीएम मोदी की ऊंगली, जिसके जरिये लांचिंग के समय वो छाये रहे। साउथ पोल पर संपूर्ण लैंडिंग क्यों देखे देश? बीच ब्राड कास्टिंग मोदी की इंट्री चाहिए ही।

लेकिन सबसे हरामखोर निकले उनके टुकड़ों पर पलने वाले गोदिये। वर्चुअल स्टूडियो में तूफान लाने और छाते के साथ एंकरनी प्रस्तुत कर सकते हैं, चांद पर पीएम मोदी को लैंडिंग करते दिखा देते, तो तेरा क्या जाता कालिये? लाखों रुपये के वर्चुअल स्टूडियो ऐसे ही चंपक कार्यक्रमों के लिए निर्मित किये जाते हैं। साउथ पोल पर घूमते-टहलते, शोधपूर्ण मुद्रा में देखकर भक्त और विभोर होते। मीडिया के मालिकान नंबर बनाते, मगर मूर्खों ने पानी फेर दिया।

किसी दिलजले ने पूछा, चांद की रेस में भारत रूस से आगे निकल भी गया, तो देश के आम आदमी को क्या मिला? भक्त बता सकते हैं कि यहां का किसान चांद पर टमाटर बोयेगा, होम डिलीवरी वहीं से होगी। केवल पांच रुपये किलो। दिलजलों को इससे मतलब नहीं कि ६०० करोड़ के चंद्रयान-३ मिशन से अंतरिक्ष से भारतीय सीमा की निगरानी के अलावा अनुसंधान के क्षेत्र में हमें क्या उपलब्धियां हासिल होनी है। वो तो फूंके पड़े हैं। कोई भूल-चूक हुई, तो मोदी के गुब्बारे में पिन मारने को चौचक बैठे हैं।

चंद्रयान अभियान से नफरतियों को खु राक देने वाले अखबारों-चौनलों ने बताना शुरू किया कि चांद पाकिस्तान के झंडे पर उकेरा हुआ है। बात दूर तलक गई, उसका धार्मिक एंगल भी ढूंढ लिया कि चांद को पवित्र मानते हो, तो वहां हमने झंडे गाड़ दिये मोदी जी के नेतृत्व में। चांद के बहाने नफरत फैलाओ, और वोट का ध्रुवीकरण करो। अब इन अनपढ़ नफ रतियों को कौन बताये कि अकेले पाकिस्तान नहीं, दुनिया के दस और देश अपने झंडों में चांद का इस्तेमाल करते हैं। उजबेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, तुर्की, ट्यूनिशिया, उत्तर-पश्चिमी अफ्रीकी देश म रिटेनिया, मालदीव, मलयेशिया, कोमोरोस, अजरबैजान और अल्जीरिया को भी याद कर लो व्हाट्सअप यूनिवर्सिटी वालों। चांद तो हिंदू बहुल राष्ट्र नेपाल के झंडे में भी है। उसका क्या करोगे? उनके ध्वज में ऊपर चांद है, और नीचे सूरज।

एक खबर यह आई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स सम्मेलन और ग्रीस से भारत लौटने के तुरंत बाद २६ अगस्त को बंगलुरु जाएंगे। पीएम मोदी इसरो के प्रमुख एस. सोमनाथ के साथ-साथ वैज्ञानिकों से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री हैं, तो उनका वहां जाना और पूरी टीम को चंद्रयान-३ की सफलता के लिए धन्यवाद देना बनता है। लेकिन इसका राजनीतिकरण डराता है। चुनावी कालखंड है, तो इसरो की उपलब्धियों से राजनीतिक मंच निरापद रहे, वो भी नरेंद्र मोदी के रहते? नेति-नेति।

प्रधानमंत्री मोदी ने चंद्रयान-३ की लैंडिंग के समय कहा था कि यह विकसित भारत का शंखनाद है। भारत की यह उड़ान चंद्रयान से भी आगे जाएगी। पीएम ने इस दौरान सूर्य मिशन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसरो आदित्य एल-१ मिशन भी ल न्च करेगा, जिससे सूर्य का विस्तृत अध्ययन किया जा सकेगा। इसके बाद शुक्र और सौरमंडल के सामर्थ्य को परखने के लिए दूसरे अभियान भी आरंभ किए जाएंगे। ऐसी घोषणा के हवाले से प्रधानमंत्री मोदी के शैदाई दावा कर सकते हैं कि पूरे ब्रह्मांड में वो अकेले नेता हैं, जो सौर मंडल के हर ग्रह-उपग्रह पर वैज्ञानिक शोध कराने की क्षमता रखता है। अजेय-अभूतपूर्व।

प्रधानमंत्री ने जोहान्सबर्ग में कहा था, अब चांद से जुड़े मिथक भी बदल जाएंगे। नई पीढ़ी के लिए कहावतें पुरानी पड़ जाएंगी। पहले कहा जाता था कि चंदा मामा दूर के... लेकिन अब लोग कहेंगे चंदा मामा बस एक टूर के... मोदी ने अपने भाषण में देश के पहले मानव मिशन गगनयान की भी जानकारी दी। बताया कि इसके लिए तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। मोदी से पहले के प्रधानमंत्री वैज्ञानिक मिशन के मामले में चुप रहा करते थे, यहां मुट्ठी खोलने में देर नहीं लगती।

मगर, सवाल यह है कि जिन वैज्ञानिकों के बूते भारत अपना भाल ऊंचा कर रहा है, क्या उनके काम करने की परिस्थितियां और उनके हालात सही चल रहे हैं? २०२२ को ही आधार मान लेते हैं, जब इसरो में १६ हजार ७८६ लोग काम कर रहे थे। इसरो की जय-जय कर रही सरकार से कोई पूछे कि २०२३-२४ के बजट में इस महकमे के वास्ते आबंटित राशि में आठ प्रतिशत की कटौती क्यों कर दी गई? पहले वाले बजट में १३ हज ार ७०० करोड़ को कम कर १२ हजार ५४२.६१ करोड़ कर देने के पीछे की वजहें वित्त मंत्री ने स्पष्ट नहीं किया था।

चन्द्रयान-३ की सफ लता के बाद अपनी पीठ ठोकने वाली सरकार ने विगत नौ वर्षों की रिपोर्ट कार्ड जारी कर दी। रिपोर्ट कार्ड का लब्बो-लुआब यह है कि नौ साल की अवधि में इसरो के जरिये ३८६ विदेशी सेटेलाइट लांच किये गये थे, जिससे ३ हजार ३०० करोड़ की आय हुई थी। सरकार का कहना है कि २०१४ से पहले केवल ३५ विदेशी उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किये गये थे। मोदी से पहले २०१३-१४ में अंतरिक्ष कार्यक्रमों का बजट केवल ५ हजार ६१५ करोड़ आबंटित था।

मतलब, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में पीएम मोदी का महान अवदान रहा है। उनके पहले वाले, जितने महानुभाव प्रधानमंत्री बने, ७ रेसकोर्स रोड पर झाल बजा रहे थे। चौनलों और न्यूज एजेंसियों के जरिये नौ साल के कालखंड में अपने देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों को जिस तरह से बघारा गया है, ऐसा लगता है कि उससे पहले अक्खा देश आदिम अवस्था में था। पब्लिक तन पर पत्ते ढंक कर काम चला रही थी।

मोदी सरकार की रिपोर्ट कार्ड से इसरो में काम कर चुके वैज्ञानिकों के मनोबल पर क्या असर पड़ेगा, यह भी सोचने की बात होगी। विक्रम साराभाई, एमजीके मेनन, यूआर राव, के. कस्तूरीरंगन, जी. माधवन नायर और के. राधोंष्णन (जो पीएम मोदी के जमाने में अपनी सर्विस के बाकी आठ माह जैसे-तैसे निकाल पाये थे), जैसे नामचीन वैज्ञानिकों को केवल ३५ फ रेन सेटेलाइट्स लांच करने का श्रेय दिया जाएगा? मोदी सरकार ने विज्ञप्ति के जरिये अपना तो बघार लिया, मगर देश के नामी-गिरामी वैज्ञानिकों के परफ रमेंस पर बड़ा सा प्रश्न चिह्न चिपका दिया।

ऐसा लगता है कि इसरो को चुनावी मंच पर लाने की पूरी तैयारी हो चुकी है। जब वहां हरेक लांच के समय पूजा-पाठ का पाखंड शुरू हुआ, तभी लग गया था कि विज्ञान के इस अधिकेंद्र के बुनियादी स्वरूप को बदलने में मोदी सरकार लग चुकी है। इसरो में जो कुछ अजीबोगरीब घटित हुआ, उसमें शैलेश नायक का कि स्सा भी दिलचस्प है, जो केवल ११ दिनों के वास्ते इस महकमे के प्रमुख बनाये गये थे। १ जनवरी २०१५ को शैलेश नायक इसरो के प्रमुख बने, १२ जनवरी २०१५ को खबर आई कि वो इस्तीफा दे चुके हैं। इसरो में सबसे कम अवधि तक कुर्सी पर रहने का इतिहास रच गये शैलेश नायक।

क्या विकास से बच पाएंगे हिमालयी राज्य

रेल परियोजनाओं के अलावा यहां बारह हजार करोड़ रुपये की लागत से बारहमासी मार्ग निर्माणाधीन हैं। इन मार्गों पर पुलों के निर्माण के लिए भी सुरंगें बनाई जा रही हैं, तो कहीं घाटियों के बीच पुल बनाने के लिए मजबूत स्तंभ बनाए जा रहे हैं। हालांकि सैनिकों का इन सड़कों के बन जाने से चीन की सीमा पर पहुंचना आसान हो गया है, लेकिन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिहाज से जो निर्माण किए जा रहे हैं, उन पर पुनर्विचार की जरूरत है। लगता है, २०१३ की केदारनाथ त्रासदी से लेकर हिमाचल और उत्तराखंड में हो रही मौजूदा तबाही तक, नीति-नियंताओं ने कोई सबक नहीं लिया है। नतीजतन चार दिन की बारिश, ११२ बार हुए भूस्खलन और पांच बार फटे बादलों से जो बर्बादी हुई उसमें ७१ लोग मारे गए। इस मानसून में अब तक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में ३२७ लोगों को आपदाओं ने लील लिया,१४४२ घर जलधाराओं में विलीन हो गए और ७१७० करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां धराशायी हो गईं। हिमाचल में एक साथ करीब ६५० सड़कों पर आवाजाही बंद पड़ी है। बद्री-केदारनाथ राजमार्ग भी ठप्प है। इस तबाही के असली कारण समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के परिप्रेक्ष्य में जल-विद्युत संयंत्र और रेल परियोजनाओं की जो बाढ़ आई हुई है, वह है। इन परियोजनाओं के लिए हिमालय क्षेत्र से रेल गुजारने और कई छोटी हिमालयी नदियों को बड़ी नदियों में डालने के लिए सुरंगें निर्मित की जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं के लिए भी जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है। इस आधुनिक औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय ही नहीं, हिमालय के शिखरों पर स्थित पहाड़ दरकने लगे हैं। हिमाचल प्रदेश के समरहिल स्थित शिवबाड़ी मंदिर में जो तबाही दिखी, वैसी ही पिछले साल उत्तराखंड के चमोली जिले के जोशीमठ में भी दिखाई दी थी। इस शहर ने कई अप्रिय कारणों से नीति-नियंताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा जारी उपग्रह तस्वीरों ने बारह दिनों में जोशीमठ के ५.४ सेंटीमीटर धंस जाने की चिंता जताई थी। इन प्रामाणिक सच्चाईयों को छिपाने के लिए श्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरणश और उत्तराखंड सरकार ने इसरो समेत कई सरकारी संस्थानों को निर्देश दिए थे कि वे मीडिया के साथ जानकारी साझा न करें। नतीजतन इसरो की बेवसाइट से धरती के धंसने के चित्र हटा दिए गए। सरकार का यह उपाय भूलों से सबक लेने की बजाय उन पर धूल डालने जैसा था। जब धरती को हिलाकर हिमालय का पारिस्थितिकी तंत्र नाजुक बना दिया गया है और घरों में दरारें पड़ने के साथ आधारतल तक धंस रहे हैं, तब लोगों की जीवन-रक्षा से जुड़ी सच्चाईयों को क्यों छुपाया गया? दरअसल भारत सरकार और राज्य सरकार ने स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद हठपूर्वक पर्यावरण के विपरीत जिन विकास परियोजनाओं को चुना है, उनके चलते यदि लोग अपने गांव और आजीविका के संसाधनों को खो रहे हैं, तो ऐसी परियोजनाएं किसलिए और किसके लिए बनाई जा रही हैं? रेल और बिजली के विकास से जुड़ी कंपनियां दावा कर रही हैं कि धरती निर्माणाधीन परियोजनाओं से नहीं धंस रही है, लेकिन किन कारणों से धंस रही है, इसका उनके पास कोई उत्तर नहीं है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय का नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन जो इस क्षेत्र में तपोवन-विष्णुगढ़ जल-विद्युत परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है, ने दावा किया है कि इस क्षेत्र की जमीन धंसने में उसकी परियोजनाओं की कोई भूमिका नहीं है।

भारत की सूझबूझ

साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में आखिर इसके विस्तार का फैसला हो गया। फैसले के मुताबिक पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- के इस संगठन में अगले साल १ जनवरी को छह नए सदस्य- अर्जेंटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई- जुड़ जाएंगे। वैसे ब्रिक्स के विस्तार पर चर्चा काफी पहले से हो रही है। २००६ में इस संगठन के अस्तित्व में आने के एक साल बाद यानी २०१० में ही इसमें साउथ अफ्रीका को जोड़ लिया गया। उसके बाद से ही नए सदस्यों की एंट्री पर जब-तब चर्चा होती रही है। लेकिन पिछले कुछ समय से यह मुद्दा काफी जोर पकड़ चुका था, जिसकी दो बड़ी वजहें रहीं। पहला तो यह कि ग्रुप से जुड़ने की चाहत रखने वाले देशों की संख्या बढ़ती चली गई। २२ देश इस मंच का हिस्सा बनने के लिए बाकायदा आवेदन कर चुके हैं। ४० से ज्यादा देश इसकी इच्छा जता चुके हैं। दूसरी वजह यह रही कि बदले वैश्विक हालात के मद्देनजर चीन इस पर बहुत जोर दे रहा था। इसे देखते हुए यह आशंका जताई जा रही थी कि शायद भारत इस मसले पर ज्यादा प जिटिव रुख न दिखाए। चीन के सरकार नियंत्रित मीडिया ने कुछ दिन पहले पश्चिमी देशों पर आरोप भी लगा दिया कि वे नहीं चाहते विस्तार के बाद ब्रिक्स एक मजबूत संगठन बनकर उभरे, इसलिए भारत और चीन में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं।

बहरहाल, इन अटकलबाजियों से अलग भारत पहले ही साफ कर चुका था कि वह ब्रिक्स के विस्तार के खिलाफ नहीं है। अन्य मुद्दों की तरह इस मामले में भी उसका रुख किसी खास देश या ल बी के आग्रह या शंका आशंका से नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित हो रहा था। ध्यान रहे, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम वैश्विक संगठनों और मंचों के विस्तार और उनमें समय के मुताबिक सुधार की वकालत करता रहा है। ब्रिक्स के विस्तार के ताजा फैसले से उस अजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। हालांकि इसके बावजूद इस फैसले में निहित चुनौतियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। एक तरफ यह आशंका है कि इन नए सदस्यों में से कई देशों के साथ अपनी करीबी की बदौलत चीन इस मंच पर अपना दबदबा बढ़ाने का प्रयास कर सकता है तो दूसरी तरफ कुछ हलकों में यह संदेह भी है कि चीन, रूस और ईरान जैसे देशों के प्रभाव में इसे पश्चिमी देशों के खिलाफ एक मंच के रूप में इस्तेमाल न किया जाने लगे। इन आशंकाओं और संदेहों के बीच सभी देशों के हितों में सामंजस्य स्थापित करते हुए बेहतर विश्व सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस मंच को निश्चित रूप से ज्यादा परिपक्व और दूरदर्शितापूर्ण नजरिया अपनाना होगा।

सुरक्षा भूल नौनिहालों को पहुंचा रहे स्कूल, गोरखपुर में 90 प्रतिशत स्कूली वाहनों में नहीं मिले अग्निशमन सिलेंडर

स्कूल वाहनों के लिए सुरक्षा से संबंधित मानक
बस में अग्निशमन यंत्र और फर्स्ट एड बाक्स अनिवार्य।
बस में बैग और बोतल रखने के लिए प्रर्याप्त जगह।
40 किमी प्रति घंटा से अधिक रफ्तार से नहीं चलेंगे वाहन।
खिड़कियां ऐसी होनी चाहिए कि बच्चे सिर न निकाल सकें।
विषम परिस्थिति के लिए दो आपातकाल गेट अनिवार्य।
वाहन में प्रेशर हार्न और टोनल साउंड पर पूरी तरह रोक।
प्रत्येक तीन माह पर चेक होंगे सीएनजी स्कूल वाहन।
अधिकतम आयु 15 वर्ष होगी, हर साल होगी फिटनेस जांच।
पावदान की ऊंचाई एक फिट से अधिक नहीं होनी चाहिए।
वाहन पर स्कूल का नाम व अधिकृत मोबाइल नंबर अनिवार्य।
फिटनेस प्रमाणपत्र के लिए होती है इनकी जांच
गाड़ी का इंजन, हार्न, आगे और पीछे की लाइट व इंडीकेटर, सीट, फाग लाइट, फर्स्ट एड बाक्स, अग्निशमन यंत्र, बाडी, खिड़की, रिफ्लेक्टर, सफाई, डेंट-पेंट, हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट और बीमा सहित निर्धारित मानक।

गोरखपुर। देवरिया में शुक्रवार को अचानक स्कूल वैन धू-धू कर जल उठी, स्कूली वाहनों में अग्निशमन के प्रबंध की पड़ताल की। स्थिति खतरनाक मिली। यहां के लगभग ६० प्रतिशत स्कूली वाहनों में अग्निशमन सिलेंडर नहीं मिले। कुछेक नए स्कूली वाहनों में ही व्यवस्था ठीक दिखी। ऐसे में कहना गलत न होगा कि ये वाहन सुरक्षा भूल नौनिहालों को स्कूल पहुंचा रहे हैं। स्कूल प्रबंधन भी इस पर ध्यान नहीं दे रहा। ऐसे में यहां भी देवरिया की तरह हादसा हो सकता है, जिससे बच्चों की जान जोखिम में पड़ सकती है। विभिन्न मार्गों पर स्थित स्कूली वाहनों की पड़ताल की। शहर के हृदय स्थल सरीखे सिविल लाइंस में २० स्कूली वाहन देखे तो इनमें केवल दो नई आटो में अग्निशमन सिलेंडर मिले। पुरानी सभी स्कूली वैन में ये गायब थे। एक वाहन में अग्निशमन सिलेंडर तो था, लेकिन यह खराब मिला। इसी तरह की स्थिति अन्य स्थानों पर भी देखने को मिली।

बच्चों को लेकर दौड़ रहे 403 अनफिट वाहन

जनपद में ४०३ अनफिट स्कूल वाहन बच्चों को लेकर फर्राटा भर रहे हैं। यह वाहन हर पल दुर्घटना को दावत दे रहे हैं। पंजीकृत २०६१ स्कूल वाहनों में जो फिट हैं, उनमें भी मानकों का ख्याल नहीं रखा जाता। न विद्यालय प्रबंधन चेत रहा और न परिवहन विभाग सख्ती बरत रहा। अधिकतर बसों में न अग्निशमन यंत्र हैं और न बैग व बोतल रखने की जगह। छात्राओं की मौजूदगी के बावजूद बसों में महिला अटेंडेंट नहीं चल रहीं। आटो की तरह बसों में में सीट से अधिक संख्या में छात्र बैठ रहे हैं। चालक भी बस को निर्धारित गति में नहीं चलाते। परिवहन वहन विभाग भी कार्रवाई के नाम पर खानापूरी ही करता है। सड़क सुरक्षा अभियान के नाम पर अभियान तो चलाए जाते हैं, लेकिन वह फाइलों से बाहर नहीं निकल पाते।

अभियान चलाकर स्कूली वाहनों के फिटनेस की जांच कराई जाएगी। वाहन चलाने वाले चालक प्रशिक्षित हैं या अप्रशिक्षित इसकी भी जानकारी की जाएगी। जांच में दोषी मिलने वाले विद्यालयों के विरुद्ध मान्यता प्रत्याहरण की कार्रवाई की जाएगी। - डा. अमरकांत सिंह, डीआइओएस

नए टाउनशिप के विकास के लिए यूपी में लागू किया जाएगा गोरखपुर माडल

जीडीए द्वारा विकसित की जा रही खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना का माडल शासन में मांगा गया है। प्राधिकरणों की बैठक में जीडीए के माडल को अपर मुख्य सचिव आवास ने सराहा और सभी जिलों को अपनाने का सुझाव दिया। माडल के आधार पर इस योजना को विकसित करने में जीडीए को अपने पास से पैसा खर्च नहीं करना पड़ रहा।

गोरखपुर। शहरों की बढ़ती आबादी की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए नई टाउनशिप विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। शासन की ओर से मुख्यमंत्री शहर विस्तारीकरण योजना के तहत विकास प्राधिकरणों को बजट भी जारी किया जा रहा है। प्राधिकरणों की ओर से जो नए टाउनशिप विकसित किए जाएंगे, वहां विकास का गोरखपुर माडल लागू होगा। यह माडल गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा तैयार किया गया है और इसी के आधार पर खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना लांच की गई है। जीडीए योजना के लिए आरक्षित जमीन का सात प्रतिशत विकासकर्ता फर्म को देकर २४५ करोड़ रुपये का ढांचागत विकास कार्य करा रहा है। इस योजना को विकसित करने में जीडीए को अपने पास से पैसा खर्च नहीं करना पड़ रहा। इसी माडल से करीब २०० एकड़ में राप्तीनगर विस्तार टाउनशिप एवं स्पोर्ट्स सिटी योजना व कन्वेंशन सेंटर योजना भी लांच करने की तैयारी है। मधुमिता शुक्ला के भाई का भी दर्द झलका है, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के पहले रातों रात उन्हें क्यों रिहा किया जा रहा है. इस मामले में उन्होंने राज्यपाल को पत्र को लिखने की भी बात कही है. उनके मुताबिक यदि अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी बाहर आ जाती हैं तो मधुमिता की बहन राजभवन के सामने जीवन समाप्त कर लेगी.

खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना को लांच करते हुए मुख्यमंत्री ने इस माडल की प्रशंसा की थी। २३ अगस्त को लखनऊ में आवास विभाग की मासिक बैठक में सभी विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्षों की मौजूदगी में इस माडल के बारे में अपर मुख्य सचिव नितिन रमेश गोकर्ण ने जानकारी ली। उन्होंने इसे सराहा और जीडीए उपाध्यक्ष को इस माडल को शासन के पास भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी विकास प्राधिकरणों को यह माडल भेजा जाएगा।

गोरखपुर माडल से हैं ये फायदे

जब भी विकास प्राधिकरण को कोई योजना लांच करनी होती है तो उसे ढांचागत विकास करना होता है। आमतौर पर अधिकतर प्राधिकरणों की वित्तीय स्थिति अच्छी नहीं होती। एक साल में २० से २५ करोड़ रुपये ही जारी किए जा सकते हैं। इस तरह एक योजना में ढांचागत विकास धीरे-धीरे हो पाता है और जब तक योजना तैयार होती है, दूसरी ओर से सड़क, नाली टूटने की शिकायत आने लगती है। जीडीए की राप्तीनगर विस्तार योजना में यह समस्या देखी गई। सामान्य तरीके से एक योजना पूरी तरह से विकसित होने में १० साल लगते हैं। जीडीए द्वारा अपनाए विकसित किए गए माडल में एक साथ ढांचागत विकास पूरा हो जाएगा। खोराबार में पूरा विकास कार्य ढाई साल में पूरा करने को कहा गया है। अधिकतम छह महीने का समय पांच प्रतिशत पेनाल्टी के साथ बढ़ाया जाएगा। इस तरह अधिकतम तीन साल में ढांचागत विकास हो जाएगा। इस माडल के तहत प्राधिकरण ने शुरूआत में ही १३ एकड़ जमीन सबसे महंगी दर पर बेच ली। योजना से जीडीए को होने वाली कमाई अतिरिक्त है।

रिवर्स लैंड पूलिंग के रूप में देखा जा रहा यह माडल

जीडीए का यह माडल रिवर्स लैंड पूलिंग माडल के रूप में देखा जा रहा है। लैंड पूलिंग के तहत कोई अपनी २५ एकड़ जमीन प्राधिकरण को देगा तो उसे २५ प्रतिशत विकसित भूमि मिलेगी। ४५ प्रतिशत भूमि विकास कार्य में चली जाएगी। जीडीए को ३० प्रतिशत जमीन मिलेगी, इसे ही बेचकर खर्च निकालना होगा। जबकि रिवर्स लैंड पूलिंग यानी जीडीए के माडल में केवल सात प्रतिशत जमीन देकर लगभग ४७ प्रतिशत विकसित जमीन मिल रही है।

क्या कहते हैं अधिकारी

उपाध्यक्ष जीडीए महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी योजना में भूमि मुद्रीकरण के माडल से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसमें जीडीए की ओर से पैसा खर्च नहीं किया गया है। बल्कि विकास करने वाली फर्म को प्रीमियम मूल्य पर जमीन दी गई है। यही माडल आगे की योजनाओं में भी लागू होगा। दो दिन पहले हुई बैठक में इस माडल की सभी ने प्रशंसा की है और इसका विवरण मंगाया गया है।

पेट्रोल पंप मैनेजर पर जानलेवा हमला करने वाले गिरफ्तार

बेटी बोली- छेड़खानी करने वाले ने की वारदात

बांसगांव (गोरखपुर)। बांसगांव के संवरुपुर गांव में स्थित पंप घटना हुई थी। पेट्रोल के रुपये मांगने पर हत्या के आरोपित ने साथियों संग वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने दबंगों पर हत्या के प्रयास रंगदारी बलवा धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया। घटना के दूसरे दिन आरोपितों को पुलिस ने दबोच लिया। इसके बाद न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया।

पेट्रोल के रुपये मांगने पर पंप के मैनेजर पर जानलेवा हमला करने वाले हत्यारोपित व उसके दो साथियों को पुलिस ने शुक्रवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया।बलवा,हत्या की कोशिश,रंगदारी मांगने व धमकी देने के मामले में दोपहर बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया।वारदात में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश चल रही है।

यह है पूरा मामला

एसपी साउथ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सवरुपुर स्थित पंप पर गुरुवार की दोपहर में देवनाथपुर गांव का प्रियतोष यादव साथियों संग पहुंचा।बाइक में पेट्रोल भरवाने के बाद बिना रुपये दिए ही जाने लगा। मैनेजर के विरोध करने पर अपने साथियों को बुलाकर डंडे से पीटकर अधमरा कर दिया। देर रात प्रियतोष यादव व उसके साथियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास, रंगदारी, बलवा, धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया गया। सुबह बांसगांव थानेदार ने हत्या के आरोप में जेल जा चुके प्रियतोष उसके साथी रोशन यादव और जय सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दोपहर बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया।

बेटी ने कहा छेड़खानी करने वाले ने की वारदात

पंप मैनेजर की बेटी ने कहा कि २३ अगस्त को गांव के चौराहे पर सामान लेने गई थी। सवरुपुर के विकास यादव ने छेड़खानी कर दी। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने लगा। इससे पहले भी वह छेड़खानी कर चुका है। गुरुवार को विकास ने ही अपने सहयोगियों के साथ पिता पर जानलेवा हमला कर दिया। एसपी साउथ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सीसी कैमरा फुटेज देखा गया। विकास व उसके पिता वारदात के समय पेट्रोल पंप पर नहीं थे। दोनों मामला अलग है।

गोरखपुर में बड़ा ट्रेन हादसा टला, निर्माणाधीन ट्रैक पर चली गई बिहार संपर्क क्रांति

गोरखपुर। दरभंगा से नई दिल्ली जा रही १२५६५ नंबर की बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस शुक्रवार को शाम ०५:०२ बजे के आसपास कैंट और गोरखपुर के बीच निर्माणाधीन तीसरी रेल लाइन के डेड ट्रैक (नान वर्किंग ट्रैक) पर चली गई। गलत ट्रैक का अहसास होते ही लोको पायलटों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रेन को तत्काल रोक दिया। इससे एक बड़ा हादसा भी टल गया। ट्रेन तीसरी रेल लाइन पर ही डेढ़ घंटे खड़ी रही। ०६रू३२ बजे के आसपास ट्रेन को पीछे कर मेन लाइन पर लाकर गोरखपुर जंक्शन के लिए रवाना किया गया। बिहार संपर्क क्रांति के पीछे चल रही १२५५३ वैशाली एक्सप्रेस सरदारनगर, १३०१६ बाघ एक्सप्रेस चौरी चौरा और १५०२७ मौर्य एक्सप्रेस कुसम्ही स्टेशन पर घंटों खड़ी रही। ट्रेनों का संचालन लगभग ठप हो गया। यात्री परेशान रहे। कैंट से गोरखपुर के बीच रेलवे सुरक्षा बल प्रशिक्षण केंद्र के पास तीसरी लाइन पर टावर वैगन के माध्यम से ओवर हेड इक्यूपमेंट (ओएचई) लगाने का कार्य चल रहा था। टावर वैगन मेन लाइन से प्वाइंट बदलकर तीसरी लाइन पर जाकर ओएचई से संबंधित कार्य कर रहा था। इसी बीच बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस आ गई, लेकिन प्वाइंटमैन टावर वैगन के जाने के बाद प्वाइंट बदलना भूल गया। ऐसे में पीछे से आ रही बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस भी मेन लाइन की जगह टावर वैगन के लिए बने प्वाइंट के माध्यम से तीसरी लाइन पर चली गई।

ट्रेनों में नाचने वाली किन्नर चांदनी से फर्जी ओएसडी बना चंदन ठग

गोरखपुर,संवाददाता। आरोपी चंदन अपने साथ कई लोगों को जोड़े हुए है। ये लोग तहसील, पुलिस मुख्यालय के पास घूमते हैं और उसे विवादित मामलों की जानकारी देते थे। इसके अलावा वह अखबार की खबरों से भी विवादित मामलों की जानकारी जुटाता था। सीएम का ओएसडी बनकर ठगी करने वाला चंदन के कई नाम के प्रमाण और परिचय पत्र बरामद हुए हैं। वह चार तरह की आवाजों में बातें करता था।

यही नहीं कई तरह से ठगी भी करता था। २० साल पहले वह किन्नर बनकर ट्रेन में यात्रियों से पैसे वसूलता था। धीरे-धीरे ठगी के तरीके बदलते हुए अब बड़े हाथ साफ करने लगा था, मगर एसएसपी को धमकी में लेने के चक्कर में पकड़ा गया। एसपी मानुष पारिक ने बताया कि आरोपी चंदन ने ठगी के लिए अपने चार नाम रख लिए थे। चंदन धोबी, चंदन शर्मा, चांदनी व पुष्पा। वह चार तरह की आवाज में बात करता था।

साथ ही उसके पास से अलग-अलग पते वाले दस्तावेज भी मिले हैं। पैन कार्ड पर पुणे, आधार कार्ड पर बलिया का पता था। उसके पास अलग-अलग पार्टियों के सदस्यता वाले परिचय पत्र भी मिले हैं। वह समय-समय पर पार्टियों में सदस्य बन जाता था। श्रम विभाग के सचिवालय का पास भी उसने बनवा रखा था। वहीं, २० जिलों के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, थानों व डीसीआर यानी जिला कंट्रोल रूम के नंबर भी मिले हैं।

यह जौनपुर, आजमगढ़, देवरिया, गोरखपुर, बलिया, कुशीनगर सहित अन्य जनपदों के लोगों को ठगता था और अधिकारियों को धमकाता था। एएसपी के मुताबिक, चंदन २० साल पहले किन्नर बनकर ट्रेन में लोगों से रुपये मांगता था। वह दसवीं पास है। बीते १५ सालों से वह लोगों से ठगी व अधिकारियों को धमकाता था। उसके चार बैंक खाते मिले हैं, जिनमें कुल पांच लाख रुपये हैं। पुलिस अब इन खातों को फ्रीज कराएगी।

अखबार की खबरों से जुटाता था विवादित जानकारी

पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी चंदन अपने साथ कई लोगों को जोड़े हुए है। ये लोग तहसील, पुलिस मुख्यालय के पास घूमते हैं और उसे विवादित मामलों की जानकारी देते थे।

इसके अलावा वह अखबार की खबरों से भी विवादित मामलों की जानकारी जुटाता था। इसके बाद एक पक्ष को पैरवी करने का भरोसा देता था। वहीं बड़े मंत्रियों, अधिकारियों या प्राइवेट गनर आदि के साथ अपनी फोटो किसी बहाने खींचकर वायरल करता था, ताकि लोग उसको बड़ा आदमी मान लें। उसके पास कई फर्जी मुहर भी मिले हैं।

छोटे विवाद से लेकर भू-माफिया की भी की थी पैरवी

चांदनी उर्फ चंदन ने झंगहा के करही निवासी दो भाइयों के विवाद में पैरवी की थी। पहले सुरेंद्र यादव को एसपी डायल ११२ बन फोन कर कहा कि वह उनका निर्माण करवा देगा। उनसे पांच लाख में सौदा किया।

मोबाइल पर बातचीत करने में यूपी देश में अव्वल

हर महीना खर्च कर रहे हैं 4000 करोड़ रुपये

लखनऊ,संवाददाता। मोबाइल फोन पर बातचीत करने में उत्तर प्रदेश का कोई जोड़ नहीं है। देशभर में सबसे ज्यादा बात करने का रिकार्ड यूपी वालों ने बनाया है। यहां के लोग मोबाइल फोन पर हर महीने औसतन ३६ घंटे बात करते हैं। लिहाजा देशभर में सबसे ज्यादा बिल भी यूपी वाले ही टेलीकाम कंपनियों को भरते हैं। इसमें इंटरनेट पर बिताया गया समय और पैसा शामिल नहीं है। इतना ही नहीं, व्हाट्सएप के जमाने में भी एसएमएस भेजने में यूपी वाले नंबर वन हैं। इसका खुलासा टेलीकाम रेगुलेटरी अथारिटी आफ इंडिया (ट्राई) की ताजा रिपोर्ट में हुआ है।

यूपी में करीब १७ करोड़ लोगों के पास मोबाइल फोन हैं। यहां एक मोबाइल फोन धारक हर महीने २३८ रुपये केवल बात करने में खर्च कर रहा है। यानी हर महीने यूपी वाले लगभग ४००० करोड़ रुपये टेलीकाम कंपनियों को बातचीत करने के एवज में दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार यूपी में ८६ फीसदी से ज्यादा लोगों के पास प्रीपेड मोबाइल फोन हैं। केवल चार फीसदी लोग ही पोस्टपेड यूजर हैं। सबसे कम ४२ फीसदी प्रीपेड फोन जम्मू-कश्मीर में हैं। हालांकि

यूपी में करीब 17 करोड़ लोगों के पास मोबाइल फोन हैं। यहां एक मोबाइल फोन धारक हर महीने 238 रुपये केवल बात करने में खर्च कर रहा है।

मोबाइल फोन पर बातचीत करने में शीर्ष पांच राज्य

उत्तर प्रदेश	३६ घंटे
बिहार	२२ घंटे
जम्मू-कश्मीर	१९.३० घंटे
ओडिशा	१९ घंटे
असम	१८ घंटे

सर्वाधिक प्रति व्यक्ति प्रति माह मोबाइल बिल भरने वाले राज्य

उत्तर प्रदेश	२३८ रुपये
आंध्र प्रदेश	१७३ रुपये
तमिलनाडु-	१६७ रुपये
जम्मू-कश्मीर	१६५ रुपये

दिल्ली के लोग भी पोस्टपेड का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं, क्योंकि वहां सिर्फ ६७ फीसदी प्रीपेड यूजर हैं। मुंबई में लगभग ७८ फीसदी प्रीपेड यूजर हैं।

दिल्ली-मुंबई वाले भी कहीं नहीं ठहरते

दिल्ली हो या मुंबई या फिर कोलकाता ही क्यों न हो, बातूनीपन के मामले में यूपी वालों के आगे कहीं नहीं ठहरते हैं। यूपी वाले मोबाइल पर हर महीने करीब ३६ घंटे बात करते हैं। कोलकाता वाले १४ घंटे, दिल्ली वाले १५ घंटे और मुंबई वाले १३ घंटे मोबाइल पर बात करते हैं। यूपी वालों की इनकमिंग और आउटगोइंग दोनों ही क ल लगभग बराबर हैं। यानी ३६ घंटे में लगभग १८ घंटे फोन किया जाता है और इतने ही घंटे फोन रिसीव किया जाता है।

पूर्वांचल वालों के लिए खुशखबरी

आजमगढ़ के मंदुरी एयरपोर्ट ने पास कर लिया हवाई सर्वे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बहुप्रतीक्षित योजना में शामिल रीजन कनेक्विटी स्कीम के तहत पूर्वांचल वालों के लिए बड़ी खुशखबरी है। विकसित मंदुरी एयरपोर्ट दिल्ली से आए एयरक्राफ्ट से किए गए हवाई सर्वेक्षण में पास हो गया है। अक्टूबर से उड़ान की संभावना जताई जा रही है। लाइसेंसिंग प्रक्रिया के लिए डीजीसीए (विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय) की टीम सितंबर में निरीक्षण करेगी।

दिल्ली की टीम ने एयरक्राफ्ट से किया सर्वे, रिपोर्ट में सब ठीक
सितंबर में लाइसेंसिंग प्रक्रिया को आएगी डीजीसीए की टीम
अक्टूबर से हवाई सेवा शुरू होने की संभावना, प्रशिक्षण पूर्ण

आजमगढ़ । जनपदवासियों की लिए अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बहुप्रतिक्षित योजना में शामिल रीजन कनेक्विटी स्कीम के तहत विकसित मंदुरी एयरपोर्ट दिल्ली से आए एयरक्राफ्ट से किए गए हवाई सर्वेक्षण में पास हो गया है। अक्टूबर से उड़ान की संभावना जताई जा रही है। लाइसेंसिंग प्रक्रिया के लिए डीजीसीए (विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय) की टीम सितंबर में निरीक्षण करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल मंदुरी एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू करने से पहले ट्रैफिक सिस्टम के सुचारु संचालन के लिए सुरक्षा कर्मियों को आजमगढ़ की पुलिस ने प्रशिक्षण दिया है। अन्य स्टाफ का भी प्रशिक्षण पूरा चुका है।

42 या 72 सीटर एटीआर एयरक्राफ्ट की होगी उड़ान

लाइसेंस प्रक्रिया के तहत डीजीसीए की टीम अंतिम परीक्षण के लिए मंदुरी एयरपोर्ट आएगी। संभावना है कि लाइसेंस जारी होने के बाद ४२ या ७२ सीटर एटीआर एयरक्राफ्ट की उड़ान होगी। इसी माह 'दिल्ली की टीम एयर क्राफ्ट से आजमगढ़ के अलावा अलीगढ़, श्रावस्ती, चित्रकूट एवं मुईरपुर हवाई अड्डे का हवाई सर्वेक्षण कर चुकी है।

चंद्रयान तीन मिशन से अमेठी के बेटा-बेटी ने बढ़ाया जिले का मान

इसरो के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 के लैंडर माड्यूल की सफल लैंडिंग के साथ ही भारत चंद्रमा पर पहुंच गया है। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश भी बन गया है। इस मिशन का हिस्सा बन अमेठी के बेटा-बेटी ने भी अहम भूमिका निभाई है। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने इन सभी को बधाई दी है।

अमेठी। जिले के दो वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-३ मिशन में योगदान दिया है। केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति इरानी ने उन्हें बधाई दी है। इस अभियान में हर्षित व श्वेता ने चांद्रयान-३ के लिए क्रायोस्टेट प्रोपेलेंट एंड आक्सीडाइजर में काम किया है। इसके बाद से उनके घर पर बधाई देने लोग पहुंच रहे हैं। सांसद ने उनके माता-पिता से बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ने इसरो में काम कर रहे दोनों युवा वैज्ञानिकों की तस्वीरें साझा करते हुए चंद्रयान-३ मिशन की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी है। स्मृति इरानी ने एक्स पर लिखा अमेठी के लड़के पीछे नहीं हैं.. इसरो में २०१७ से काम कर रहे हर्षित बरनवाल ने मिशन चंद्रयान- ३ के लिए साइंटिस्ट क्वालिटी इंजीनियर के तौर पर लैंडर टेस्टिंग टीम में योगदान दिया है। हमें हर्षित पर गर्व है। आगे उन्होंने एक और पोस्ट किया जिसमें उन्होंने लिखा, इसरो में सेवा दे रही श्वेता बरनवाल की उपलब्धियों पर गर्व है।

मधुमिता शुक्ला के भाई का भी दर्द झलका है, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के पहले रातों रात उन्हें क्यों रिहा किया जा रहा है. इस मामले में उन्होंने राज्यपाल को पत्र को लिखने की भी बात कही है. उनके मुताबिक यदि अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी बाहर आ जाती हैं तो मधुमिता की बहन राजभवन के सामने जीवन समाप्त कर लेगी. श्वेता बरनवाल तीन मार्च २०२२ को इसरो में वैज्ञानिक के पद पर तैनात हुई थीं और चन्द्रयान-३ में क्रायोस्टेज प्रपोलेंट ऐंड अ क्सीडाइजर में काम रही हैं। श्वेता की शिक्षा एक से आठ तक सरस्वती शिशु मंदिर में हुई। चंद्रयान-३ मिशन की सफलता होने के बाद से श्वेता के घर पर बधाई देने लोग पहुंच रहे हैं।श्वेता के पिता सत्य नारायण बरनवाल का कहना है कि लांचिंग के समय वह वहां पर मौजूद थे। उनकी बेटी भी चंद्रयान- ३ टीम का हिस्सा थी। अब जाकर यह मिशन पूरा हुआ। यह देश के लिए गौरव का पल है। वहीं हर्षित बरनवाल २०१७ में इसरो में वैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हुए और चंद्रयान- ३ मिशन में उनका भी सहयोग रहा।

चंद्रयान- ३ मिशन की सफलता के बाद से ही उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि व व्यापारियों ने भी हर्षित के पिता को बधाई दी। हर्षित के पिता आनंद कुमार बरनवाल का कहना है कि हमें बड़ा गर्व है। हमारे बेटे और उनकी टीम ने गर्व से हम सब लोगों का सर ऊंचा कर दिया है। हमें को बहुत खुशी है।

श्वेता व हर्षित के आसपास ही है घर

देश-दुनिया में चंद्रयान-३ की सफलता से हर कोई खुश है। उत्साह व उमंग के बीच शहर के ककवा रोड़ पर खेलकूद कर पल बढ़े श्वेता व हर्षित की कहानी हर किसी के जुबान पर है। दोनों ही चंद्रयान-३ से जुड़कर अमेठी का मान बढ़ाया है। शहर में दोनों के घर भी आसपास बने हुए हैं।

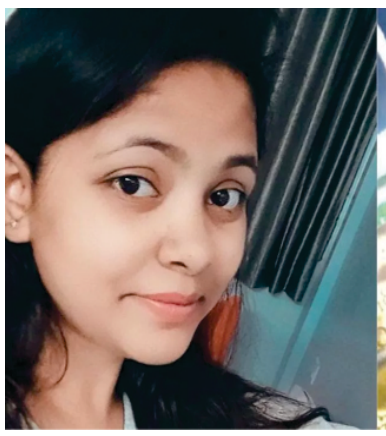

मुश्किल से कटा सफरः पूर्व मंत्री की रिहाई का जब आदेश आया, लखनऊ में था पूरा परिवार

गोरखपुर।शाम को ५ बजकर २६ मिनट पर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से रिहाई का आदेश लेकर पूर्व विधायक अमनमणि त्रिपाठी और उनके लोग मंडलीय कारागार पहुंचे। बेटे के साथ उनके अधिवक्ता रिहाई का कागज लेकर जेल के अंदर पहुंचे। कागज प्रस्तुत करने के बाद जेल में कैदियों के निरूद्ध वाली डायरी में रिहाई के नाम पते का मिलान करवाया गया।

पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी की रिहाई का जब आदेश आया तो उस समय पूरा परिवार लखनऊ में था। आदेश की प्रति मिलते ही देर शाम गोरखपुर के लिए सभी रवाना हो गए। सुबह नौ बजे से पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी के बेटे अमन मणि त्रिपाठी अपने चाचा अजीतमणि और भाई अनंतमणि के साथ अधिवक्ताओं और समर्थकों के साथ कचहरी पहुंच गए थे। सभी कागजातों पर उनकी पैनी नजर थी, बार अधिवक्ता से बात करते रहे ताकि कहीं कोई कमी न रह जाए। दिनभर परिवार के लोगों में बेचैनी रही, शाम को जब रिहाई का परवाना जेल से जारी हुआ तो राहत की सांस ली। परिवार के लोगों को रिहाई की प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी। शुक्रवार की सुबह करीब नौ बजे उनके अधिवक्ताओं ने जमानतदार के बांड

भरने की जानकारी दी। फिर तीन सेट में बांड तैयार किया गया। परिवार के लोगों ने ही कागजी कार्रवाई पूरी कराई। सभी बांड के सेट तैयार होने के बाद जिला मजिस्ट्रेट के यहां दाखिल किया गया। इसके बाद आरटीओ ने सभी गाड़ियों का सत्यापन कराया। फिर जिला मजिस्ट्रेट के यहां प्रपत्र को दाखिल किया गया। शाम को ४रू४५ बजे जिला मजिस्ट्रेट ने रिहाई के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया।

करीब डेढ़ घंटे बाद जेल में तैयार हुआ रिहाई का परवाना

शाम को ५ बजकर २६ मिनट पर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से रिहाई का आदेश लेकर पूर्व विधायक अमनमणि त्रिपाठी और उनके लोग मंडलीय कारागार पहुंचे। बेटे के साथ उनके अधिवक्ता रिहाई का कागज लेकर जेल के अंदर पहुंचे। कागज प्रस्तुत करने के बाद जेल में कैदियों के निरूद्ध वाली डायरी में रिहाई के नाम पते का मिलान करवाया गया। कितनी बार जेल में आए और कितने मामले लंबित हैं, इसका सत्यापन किया गया। फिर जिस मामले में जेल में पूर्व मंत्री और उनकी पत्नी निरुद्ध थे, उसकी रिहाई के आदेश को डायरी में दर्ज करने के साथ ही उसी समय का परवाना तैयार किया गया। इसी परवाने पर पूर्व मंत्री और उनकी पत्नी मधुमणि के हस्ताक्षर के बाद उनकी रिहाई पूरी हो सकी।

बुजुर्ग माता-पिता पर किया अत्याचार तो संपत्ति से हो जाएंगे बेदखल

नियमावली में संशोधन पर हो रहा विचार

लखनऊ। बुजुर्ग माता-पिता पर अत्याचार किया तो उनकी संपत्ति से बेदखली संभव होगी। यूपी सरकार माता-पिता भरण-पोषण नियमावली में संशोधन पर विचार कर रही है। उत्तर प्रदेश में अब बूढ़े माता-पिता या वरिष्ठ नागरिकों पर अत्याचार करने पर वारिस उनकी संपत्ति से बेदखल किए जा सकते हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण तथा कल्याण नियमावली-२०१४ में संशोधन करने पर विचार कर रही है। इस बारे में समाज कल्याण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के सामने शुक्रवार को प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रदेश सरकार प्रस्तावित संशोधनों पर महाधिवक्ता की सलाह लेकर आगे बढ़ेगी।

उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार के माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, २००७ को स्वीकार करते हुए वर्ष २०१४ में नियमावली लागू की गई। राज्य सप्तम विधि आयोग ने इस नियमावली में संशोधन की सिफारिश की है। आयोग का मानना है कि यह नियमावली,

केंद्रीय अधिनियम के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। अभी नियमावली के तहत बुजुर्गों का ध्यान न रखने पर प्रति माह अधिकतम १० हजार रुपये भरण-पोषण भत्ता देने या एक माह की सजा का प्रावधान है।

इसलिए सप्तम विधि आयोग ने नियमावली के नियम-२२ में तीन उप धाराएं जोड़ने की सिफारिश की है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों का ध्यान न रखने पर बच्चों या नातेदारों को उस संपत्ति से बेदखल करने के प्रावधान की बात की गई है, जिस पर वरिष्ठ नागरिकों का कानूनी अधिकार हो। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, प्रस्तावित संशोधन के लिए कैबिनेट की मंजूरी आवश्यक होगी।

बेदखली के लिए प्रस्तावित संशोधन

वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई के लिए हर तहसील में एसडीएम की अध्यक्षता में अधिकरण और जिले में डीएम की अध्यक्षता में अपील अधिकरण है। प्रस्तावित संशोधनों में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिक अपनी संपत्ति से किसी की बेदखली के लिए अधिकरण को आवेदन दे सकते हैं। अगर वरिष्ठ नागरिक स्वयं आवेदन करने में असमर्थ हैं तो कोई संस्था भी उनकी ओर से ऐसा आवेदन दाखिल कर सकती है।

- तथ्यों से संतुष्ट होने पर अधिकरण बेदखली का आदेश कर सकता है। संबंधित पक्ष को तीन दिन के भीतर वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति से बेदखली के आदेश का पालन करना होगा।
- ऐसा न किए जाने पर पुलिस की मदद से संपत्ति से बेदखल करने की प्रक्रिया पूरी कर संपत्ति वरिष्ठ नागरिक को सौंप दी जाएगी।
- अधिकरण के आदेश के खिलाफ वरिष्ठ नागरिक अपील अधिकरण में ६० दिन के भीतर अपील भी कर सकता है।

प्रयागराज में आधीरात चली तबादला एक्सप्रेस आठ थानेदार बदले गए, पांच हुए लाइन हाजिर

कमिश्नरेट गठित होने के बाद प्रयागराज के पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने बड़ी संख्या में थाना प्रभारियो का फेरबदल किया है। कई थानों में प्रभारी पद पर नई तैनाती करने के अलावा पांच थानेदारों को पैदल करते हुए पुलिस लाइन भेज दिया गया है। इसके साथ ही थाना प्रभारी नैनी वीरेंद्र सिंह समेत 5 को लाइन हाजिर करते हुए पुलिस लाइन भेज दिया गया है।

प्रयागराज। कमिश्नरेट गठित होने के बाद प्रयागराज के पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने बड़ी संख्या में थाना प्रभारियो का फेरबदल किया है। कई थानों में प्रभारी पद पर नई तैनाती करने के अलावा पांच थानेदारों को पैदल करते हुए पुलिस लाइन भेज दिया गया है। गुरुवार रात जारी आदेश के तहत, फूलपुर से यशपाल सिंह को थाना प्रभारी नैनी, खुल्दाबाद थाने के अतिरिक्त निरीक्षक दीनदयाल सिंह को थाना प्रभारी फूलपुर, पुलिस आयुक्त के वाचक अमरनाथ राय को थाना प्रभारी करेली, पुलिस उपायुक्त यमुनानगर कार्यालय के इंस्पेक्टर संजय संधू को थाना प्रभारी मांडा, पूरामुफ्ती थाने से उपेंद्र प्रताप सिंह को थानाध्यक्ष झूंसी, उपनिरीक्षक अजीत सिंह को शिवकुटी से थानाध्यक्ष पूरामुफ्ती, उपनिरीक्षक संजय गुप्ता को एसआरएन चौकी से थानाध्यक्ष शिवकुटी, उपनिरीक्षक राजीव श्रीवास्तव को चौकी नीवां से थानाध्यक्ष जार्जटाउन के पद पर भेजा गया है।

मधुमिता शुक्ला के भाई का भी दर्द झलका है, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के पहले रातों रात उन्हें क्यों रिहा किया जा रहा है. इस मामले में उन्होंने राज्यपाल को पत्र को लिखने की भी बात कही है. उनके मुताबिक यदि अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी बाहर आ जाती हैं तो मधुमिता की बहन राजभवन के सामने जीवन समाप्त कर लेगी. इसके साथ ही थाना प्रभारी नैनी वीरेंद्र सिंह, थाना प्रभारी करेली रामाश्रय यादव, थाना प्रभारी कीडगंज राममूर्ति यादव, थाना प्रभारी मांडा अरविंद गौतम, थाना प्रभारी झूंसी वैभव सिंह, थानाध्यक्ष जार्जटाउन धीरेंद्र सिंह और कौंधियारा थाने के उपनिरीक्षक रवि शर्मा को लाइन हाजिर करते हुए पुलिस लाइन भेज दिया गया है।

सौतेले पिता की हत्या

बेटे को रुपयों की थी जरूरत 1.10 लाख की मदद की, वापस मांगने पर पत्थर से कुचलकर मार डाला

आगरा। रुपये वापस मांगे जाने से नाराज बेटे ने पिता के सिर पर पत्थर से वार कर उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। आगरा के ताजनगरी फेज-१ में गुरुवार रात को पत्थर से प्रहार कर बेटे ने सौतेले पिता की जान ले ली थी। पिता ने उससे पूर्व में ई-रिक्शा बेचकर दी गई रकम वापस मांगी थी। इससे ही बेटा गुस्से में आ गया। पिता के सिर में पत्थर मार दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। मूलरूप से तोपखाना, नाई की मंडी निवासी आरिफ उर्फ काला (५०) ताजनगरी फेज-१ में आरएस जूनियर हाईस्कूल में गार्ड की नौकरी करते थे। रात में स्कूल में ही सो जाते थे। थाना ताजगंज के प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र शंकर पांडेय ने बताया कि आरिफ ने २० साल पहले दूसरा निकाह किया था। उसका सौतेला बेटा इमरान है। उसी पर हत्या का आरोप है। मामले में मृतक के बड़े भाई मोहम्मद मतलूब ने मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि छोटे भाई आरिफ को कुछ समय पहले ई रिक्शा खरीदकर दिया था। आरोपी इमरान को रुपयों की जरूरत थी। इस पर आरिफ ने रिक्शा बेच दिया। इसे बेचकर मिले १.१० लाख रुपये इमरान को दे दिए। इमरान स्कूल आया। आरिफ ने उससे रकम की मांग की। इमरान गुस्से में आ गया। झगड़ा करने लगा। भाई ने उसे धक्का देकर स्कूल से निकाल दिया। इस बात पर गुस्से में आकर इमरान ने उनके सिर में पत्थर उठाकर मार दिया, जिससे वो घायल हो गए। कुछ लोग आरिफ को अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

378 गांवों में होगी चकबंदी

हटाए जाएंगे सरकारी जमीन से कब्जे और अतिक्रमण

लखनऊ। प्रदेश के ३७८ गांवों में चकबंदी होगी। इस दौरान सरकारी जमीन से कब्जे और अतिक्रमण हटाए जाएंगे। ड्रोन और रोवर सर्वे से चकबंदी कराई जाएगी।

प्रदेश के ३७८ गांवों में चकबंदी होगी। इस दौरान सरकारी जमीन से कब्जे और अतिक्रमण हटाए जाएंगे। ड्रोन और रोवर सर्वे से चकबंदी कराई जाएगी। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व ब्ल कचेन का इस्तेमाल भी होगा। गौरतलब है कि सरकार ने २६ जिलों के २३७ गांवों में चकबंदी के लिए जुलाई में आदेश जारी किए थे। अब दूसरे चरण में ३७८ गांवों में चकबंदी कराई जाएगी। राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि चकबंदी कार्य को त्रुटिरहित किया जाएगा।

प्राइवेट कोच में पार्टी पड़ गई भारी
लगी आग, 10 की मौत

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै रेलवे स्टेशन पर आज एक ट्रेन में भीषण आग लगने का मामला सामने आया। पुनालुर-मदुरै एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बे में आग लगने से कम से कम १० लोगों की मौत और २० लोगों के घायल होने की खबर है। रेलवे ने बताया कि आग ६५ यात्रियों के साथ श्प्राइवेट पार्टी कोचश में लगी, जो उत्तर प्रदेश के लखनऊ से आया था।

प्राइवेट कोच में चल रही थी पार्टी

रेवले ने बताया कि यह एक निजी (प्राइवेट) पार्टी कोच था, जिसे पुनालुर-मदुरै एक्सप्रेस से नागरकोइल जंक्शन पर जोड़ा गया था। पार्टी कोच को अलग कर दिया गया था और मदुरै स्टेबलिंग लाइन पर रखा गया था। कोच को अलग करने के बाद लोग इसमें पार्टी करने लगे थे, जिसके बाद आग लग गई। रेलवे ने घटना के बाद प्रत्येक मृतक के परिवार को १० लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का एलान किया है।

मधुमिता शुक्ला के भाई का भी दर्द झलका है, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के पहले रातों रात उन्हें क्यों रिहा किया जा रहा है. इस मामले में उन्होंने राज्यपाल को पत्र को लिखने की भी बात कही है. उनके मुताबिक यदि अमरमणि त्रिपाठी

और उनकी पत्नी बाहर आ जाती हैं तो मधुमिता की बहन राजभवन के सामने जीवन समाप्त कर लेगी.

रेलवे ने बताया आग का कारण

दक्षिणी रेलवे ने बताया कि ट्रेन में आग सुबह ५ बजकर १५ मिनट पर लगी और अग्निशमन सेवा कर्मियों ने इसपर ७ बजकर १५ मिनट पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने कहा कि निजी पार्टी कोच में यात्री छिपाकर गैस सिलेंडर ले गए थे, जिस कारण इसमें आग लग गई। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से ले जाया गया सिलेंडर ही आग का कारण बना।

चाय–नाश्ता बनाते ही लग गई आग

जब कोच अलग पार्क किया गया था, तो निजी पार्टी कोच में कुछ सदस्य अवैध रूप से लाए गए रसोई गैस सिलेंडर का उपयोग चाय और नाश्ता बनाने की तैयार करने के लिए कर रहे थे, जिससे कोच में आग लग गई। अधिकांश यात्री आग की चपेट में आ गए। आग लगने पर कुछ लोग कोच से बाहर निकले। कोच के अलग होने से पहले ही कुछ यात्री प्लेटफार्म पर उतर चुके थे। इसमें कहा गया है कि पार्टी कोच ने १७ अगस्त को लखनऊ से यात्रा शुरू की थी, रविवार को चेन्नई जाकर वहां से लखनऊ लौटने का कार्यक्रम था।

3 दिन दिल्ली बंद

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट दिल्लीवासियों के साथ ही आसपास के शहरों में रहने वालों के यातायात के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में यहां आने-जाने वाले यात्रियों के लिए यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे अपनी यात्रा निर्धारित समय से काफी पहले शुरू करें। यदि जरूरी न हो, तो निजी वाहन से यात्रा न कर मेट्रो का इस्तेमाल करें।

एयरपोर्ट के लिए यह रहेगी व्यवस्था

गुरुग्राम से टर्मिनल तीन और एक के लिए-एनएच ४८-राव गजराज सिंह मार्ग-पुरानी दिल्ली गुरुग्राम रोड-एनएच ४८ सर्विस रोड से टर्मिनल तीन तक पहुंचें। टर्मिनल एक के लिए टर्मिनल तीन रोड से एनएच-४८ सर्विस रोड-संजय टी-प्वाइंट-उलान बटार मार्ग से टर्मिनल एक तक पहुंचें।

द्वारका से टर्मिनल तीन और एक के लिए-द्वारका मोड़-एनएच-४८ नएच ४८ सर्विस रोड से टर्मिनल तीन तक पहुंचें। टर्मिनल एक के लिए टर्मिनल तीन रोड से एनएच-४८ सर्विस रोड-संजय टी प्वाइंट-उलान बटार मार्ग से टर्मिनल एक तक पहुंचें।

नई दिल्ली से टर्मिनल तीन और एक के लिए-एम्स चौक-रिंग रोड-मोती बाग चौक-आरटीआर मार्ग-संजय टी प्वाइंट-एनएच ४८ सर्विस रोड से टर्मिनल तीन तक पहुंचें, वहीं संजय टी प्वाइंट-उलान बटार मार्ग से टर्मिनल एक तक पहुंचें।

पश्चिमी दिल्ली से टी३ और टी1 तक के लिए

पंजाबी बाग चौक-रिंग रोड-राजा गार्डन चौक-नजफगढ़ रोड-पंखा रोड-डाबरी-द्वारका रोड-रोड नंबर २२४, डाबरी-गुरुग्राम रोड लेने की सलाह दी गई है।

वहीं, उत्तरी और पूर्वी दिल्ली से टी-३ और टी1 तक, यात्री आइएसबीटी कश्मीरी गेट-रानी झांसी फ्लाईओवर-रोहतक रोड-पंजाबी बाग चौक-रिंग रोड-राजा गार्डन चौक-नजफगढ़ रोड-पंखा रोड-डाबरी द्वारका रोड-रोड नंबर २२४ का उपयोग कर सकते हैं। डाबरी-गुरुग्राम रोड-सेक्टर-२२, द्वारका रोड-यूईआर--सर्विस रोड एनएच-४८-टी३ टर्मिनल रोड/उल्लान बटार मार्ग और टर्मिनल टी1 से यात्रा कर सकते हैं।

सराय रोहिल्ला स्टेशन के लिए

दक्षिण दिल्ली से : धौला कुआं फ्लाईओवर-वंदे मातरम मार्ग-दयाल चौक-फैज रोड-न्यू रोहतक रोड-लिबर्टी सिनेमा-नवहिंद स्कूल मार्ग से रेलवे स्टेशन तक पहुंचें।

पूर्वी दिल्ली से : नोएडा लिंक रोडध पुस्ता रोड-शास्त्री पार्क-जीटी रोड-युधिष्ठिर सेतु-जीटी करनाल रोड-रानी झांसी फ्लाईओवर के नीचे रामबाग मार्ग वीर बंदा बैरागी मार्ग-ओल्ड रोहतक रोड से स्टेशन तक पहुंचें।

पश्चिम दिल्ली से : पंजाबी बाग जंक्शन-रोहतक रोड-न्यू रोहतक रोड से स्टेशन तक पहुंचें।

उत्तरी दिल्ली सेः आजादपुर चौक-रिंग रोड-प्रेम बाड़ी पुल-महाराजा नाहर सिंह मार्ग- बंदा बैरागी मार्ग-ओल्ड रोहतक रोड से स्टेशन तक पहुंचें।

हजरत निजामुद्दीन स्टेशन के लिए

दक्षिण दिल्ली से : धौला कुआं फ्लाईओवर-रिंग रोड-एम्स चौक-बाबा बंदा सिंह बहादुर सेतु-लाजपत राय मार्ग की ओर स्लिप रोड-लोधी रोड-नीला गुंबद-हजरत निजामुद्दीन मार्ग निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन रोड से पहुंचें।

पूर्वी दिल्ली से : नोएडा लिंक रोड-दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे-महात्मा गांधी मार्ग-निजामुद्दीन एंट्री-दो रोड से हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन तक पहुंचे।

पश्चिम दिल्ली से : पंजाबी बाग जंक्शन-महात्मा गांधी रोड-राजा गार्डन चौक-नारायणा फ्लाईओवर-धौला कुआं फ्लाईओवर-रिंग रोड-एम्स चौक-बाबा बंदा सिंह बहादुर सेतु-लाला लाजपत राय मार्ग की ओर स्लिप रोड से रेलवे स्टेशन स्टेशन तक पहुंचें।

उत्तरी दिल्ली से : मुकरबा चौक-मजनूं का टीला-रिंग रोड से युधिष्ठिर सेतु की ओर बायां लूप जीटी रोड शात्री पार्क पुस्ता रोड से रेलवे स्टेशन तक पहुंचें।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के लिए

दक्षिण और पश्चिम दिल्ली से : धौला कुआं-रिंग रोड-नारायणा फ्लाईओवर-मायापुरी चौक-कीर्ति नगर मेन रोड-शादीपुर फ्लाईओवर-पटेल रोड (मुख्य मथुरा मार्ग)-पूसा गोल चक्कर-पूसा रोड-दयाल चौक-पंचकुइयां रोड-आउटर सर्कल कनाट प्लेस-चेम्सफोर्ड रोड पहाड़गंज साइड या मिंटो रोड-अजमेरी गेट साइड के लिए भवभूति मार्ग और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचें।

नदियां उफान पर, कटान रोकने को पेड़ों का सहारा

संवाद न्यूज गोरखपुर । गोरखपुर। जिले की नदियां एक बार फिर उफान पर हैं। इससे नदियों के आसपास बंधों के ठोकर पर कटान का खतरा बढ़ गया है। लेकिन खतरे से निपटने की तैयारी का आलम यह है कि कटान रोकने के लिए बांस और पेड़-पौधों का सहारा लिया जा रहा है। जिले में राप्ती, रोहिन, सरयू, गोर्रा नदियां अक्सर तबाही मचाती हैं। हाल में सभी नदियों का जलस्तर बढ़ा है। जिला प्रशासन की ओर से जारी बुलेटिन के मुताबिक सहजनवां के मलाव पिपरी में राप्ती नदी के दाएं तट पर बंधे पर आंशिक कटान शुरू हो गई है। इसे रोकने के लिए बंबू केट और ट्री स्पर लगाए गए हैं। सरयू (घाघरा) और कुआनो नदी के संगम स्थल के समीप घाघरा नदी के बाएं तट पर स्थित ग्राम जिगनिया शाहपुर मठराम गिरी में ट्री स्पर लगाकर कटान रोकी जा रही है।

जंगल कौड़िया प्रतिनिधि के अनुसार रोहिन नदी के किनारे मानीराम कुदरिया बांध की मरम्मत तीन माह पूर्व कराई गई थी, लेकिन इसके बाद भी बंधे पर जगह-जगह रेन कट हो गए हैं। स्थानीय निवासी प्रशांत, लोरिक यादव, रामप्रवेश यादव का कहना है कि अब बरसात हो रही है तो रेनकट की मरम्मत आवश्यक है।

गोला प्रतिनिधि के अनुसार बिसरा गांव स्थित मल्लाह टोला में सरयू नदी कटान कर रही है। यहां के रामकिशुन, विश्वनाथ, इंजीनियर मौर्य, संदीप, रामआसरे, राजेंद्र मौर्य आदि के खेत में बोई गई फसल मिट्टी के साथ बह रही है। राजदेव के मकान के नजदीक कटान हो रही है। यहां के अभिषेक, धनंजय साहनी, जितेंद्र निषाद, अरूण शर्मा, आकाश मौर्य, किसुनधारी साहनी, डब्लू मौर्य आदि का कहना है कि हर साल बाढ़ और कटान झेलना हम लोगों की नियति बन गई है। नदी के कटान करने पर पेड़ पौधे और झाड़ झंखाड़ डालकर रोकने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में एसडीएम रोहित मौर्या ने बताया कि कटान वाले स्थानों की नियमित समीक्षा की जा रही है।

कोठा–नवलपुर बांध पर जगह–जगह रेनकट और शाही मांद

चिल्लूपार। बड़हलगंज ब्लाक क्षेत्र के कोठा-नवलपुर बांध पर जगह-जगह रेनकट और शाही मांद है। अगर नदी का पानी बढ़ा तो बंधे को बचाना मुश्किल हो जाएगा। गरयाकोल और खुटभार रिंग बांध की हालत भी ठीक नहीं है। राप्ती की बाढ़ से खुटभार गांव स्थित ठाकुर मंदिर के पास हो रही कटान के पास सिंचाई विभाग के कर्मचारी पेड़ की डालियां डाल रहे हैं। जबकि सरयू नदी से बुढ़नपुरा-नरहरपुर जंक्शन पर गांव की मुख्य सड़क पर हो रही कटान को सिंचाई विभाग के लोग बंबू क्रेट कटर और पेड़ की डालियां डालकर कटान रोक रहे हैं।

अमिताभ बच्चन नहीं, इस एक्टर के नाम हैं सबसे ज्यादा नेशनल अवार्ड्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े अवार्ड्स में से एक है। हर साल देशभर की फिल्मों और कलाकारों को नेशनल अव र्ड से सम्मानित किया जाता है। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय की तरफ से फिल्मी कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए किया जाता है। गुरुवार को ६९वें नेशनल फिल्म अव र्ड्स की घोषणा कर दी गई। बेस्ट एक्ट्रेस आलिया भट्ट और कृति सेनन बनीं तो अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर घोषित किया गया। इसी बीच हम आपको बताएंगे कि किन कलाकारों को अब तक सबसे ज्यादा बार नेशनल अव र्ड मिले हैं।

शबाना आजमी

इस लिस्ट में सबसे पहले शबाना आजमी का नाम आता है। शबाना अपने समय की सबसे ज्यादा प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती थीं। उन्होंने ७० और ८० के दशक में कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। शबाना आजमी को ५ बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। जिन फिल्मों के लिए उन्हें पुरस्ें त किया गया, वो इस प्रकार हैं- अंकुर, अर्थ, खंडहर, ग डमदर और पार।

अमिताभ बच्चन

बालीवुड के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन ने अपनी एक्टिंग से लाखों लोगों को अपना दीवाना बनाया है। अमिताभ को ४ बार नेशनल फिल्म अवार्ड में से सम्मानित किया गया है। उन्हें ब्लैक, अग्निपथ, पीकू और पा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

कंगना रनोट

कंगना रनोट इंडस्ट्री में अपने बेबाक अंदाज के साथ अपनी शानदार एक्टिंग के लिए भी जानी जाती हैं। कंगना को भी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में अब तक चार नेशनल अव र्ड से सम्मानित किया जा चुका हैं। उन्हें फिल्म क्वीन, तनु वेड्स मनु और मणिकर्णिका के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अव र्ड मिला। वहीं, फिल्म फैशन के लिए उन्हें सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगरी में अव र्ड दिया गया।

कमल हासन

कमल हासन ने साउथ सिनेमा के साथ बालीवुड में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। वह भी सबसे ज्यादा राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं। कमल हासन को अब तक चार बार नेशनल अव र्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जिन फिल्मों के लिए उन्हें नेशनल अव र्ड मिला, वो हैं- मूंद्रम पिराई, नायकन, थेवर मगन और इंडियन।

प्रकाश राज

प्रकाश राज ने पांच बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। इनमें से चार अभिनय के लिए, जबकि एक बतौर निर्माता जीता। कांचीवरम के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर, इरुवर के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर, धाया के लिए स्पेशल ज्यूरी अव र्ड, अंतपुरम के लिए स्पेशल मेंशन और निर्माता के तौर पुट्टक्कन हाइवे के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिये गये।

इन अभिनेताओं को मिले 3 राष्ट्रीय पुरस्कार

जो एक्टर तीन बार नेशनल अव र्ड्स जीत चुके हैं, उनमें अजय देवगन, नाना पाटेकर, मनोज बाजपेयी, नसीरुद्दीन शाह, पंकज कपूर, मिथुन चक्रवर्ती और ममूटी शामिल हैं।

अजय को जख्म, द लीजेंड आफ भगतसिंह और तान्हाजी- द अनसंग व रियर के लिए पुरस्कार मिले। नाना पाटेकर को परिंदा, अग्निसाक्षी और क्रांतिवीर के लिए तीन बार नेशनल अव र्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मनोज बाजपेयी को सत्या, पिंजर और भोसले के लिए नेशनल अवार्ड मिल चुका है।

नसीरुद्दीन शाह को ३ बार फिल्म इकबाल, पार और स्पर्श के लिए नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पंकज कपूर को तीन बार फिल्म मकबूल, एक डाक्टर की मौत और राख के लिए नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

मिथुन चक्रवर्ती को तीन बार फिल्म मृग्या, तकदीर कथा और स्वामी विवेकानंद के लिए नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। मृग्या मिथुन की डेब्यू फिल्म थी। ममूटी को १९८९ और १९९३ में दो-दो फिल्मों के लिए बेस्ट एक्टर चुना गया था, जबकि १९९८ में अंग्रेजी फिल्म ड . बाबासाहेब अम्बेडकर के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार किसी भी कलाकार के लिए सम्मान की बात समझे जाते हैं। इसलिए सभी की कोशिश रहती है कि अपने करियर में कम से कम बार तो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता जाए। 1954 में पहली बार नेशनल अवार्ड दिये गये थे और तब से अब तक कुछ कलाकार ऐसे हैं जिन्होंने कई बार नेशनल अवार्ड जीते हैं।

नेशनल अवार्ड विनर अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 इस दिन होगी रिलीज

नई दिल्ली। पुष्पा एक्टर अल्लू अर्जुन के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर हैं। एक्टर पहले ही साल भर से पुष्पा २ को लेकर चर्चा में बने हुए है। वहीं, बीते दिन भारत सरकार ने उन्हें नेशनल अवार्ड देने की घोषणा की है। अब अल्लू अर्जुन पुष्पा २ की रिलीज को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। साल २०२१ में आई अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज ने तहलका मचा दिया था। साउथ से लेकर न र्थ तक एक्टर की चर्चा थी। फिल्म की स्टोरी से लेकर गानों और डायल ग्स तक, पुष्पा की हर एक बात ने लोगों का दिल जीता। अब दर्शक फिल्म के अगले पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच पुष्पा २ की रिलीज डेट से जुड़ी खबर सामने आई है, जो बता रही है कि पुष्पा के दीवानों को अभी फिल्म के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।

कब रिलीज होगी पुष्पा 2 ?

साउथ के ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला वियबालन ने पुष्पा २ की टेंटेटिव रिलीज डेट शेयर की है। खबर के अनुसार, पुष्पा द रूल साल २०२४ में २२ मार्च को थिएटर्स में दस्तक दे सकती है। हालांकि, फिल्म के मेकर्स की तरफ से अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

मौनी राय का अन्दाज

दिल्ली। बालीवुड एक्ट्रेस मौनी राय अपनी एक्टिंग के अलावा अपने फैशन स्टेटमेंट के लिए भी मशहूर हैं। सोशल मीडिया पर उनकी बोल्ड फोटोज फैंस की धड़कनें बढ़ाने के लिए काफी हैं। हाल ही में मौनी राय समंदर किनारे बिकिनी में स्पाट हुईं। उनकी लेटेस्ट फोटोज इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल हो रही हैं। देखिए मौनी की फोटोज।

नई दिल्ली। छोटे पर्दे पर नागिन शो से मशहूर हुईं मौनी राय आज ब लीवुड में भी अपनी कातिलाना अदाएं दिखा रही हैं। गोल्ड और ब्रह्मास्त्र के बाद मौनी ने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान हासिल कर ली है। एक्टिंग के अलावा मौनी अपने ग्लैमर के लिए भी खासा चर्चा में रहती हैं।

बिकिनी में मौनी राय ने बरपाया कहर

सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड फोटोज शेयर कर लाइमलाइट बटोरने में मौनी राय सबसे आगे हैं। हाल ही में, एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट बिकिनी फोटोज शेयर कर इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। मौनी राय ने मालदीव से अपनी हाट फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं, जिस पर से फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। एक जगह मौनी राय स्काई ब्लू कलर की बिकिनी पहने बीच पर लेटी हुई दिख रही हैं। उनके पास बुक भी रखी है। एक जगह वह अपना टोंड फिगर फ्लान्ट करते हुए पोज दे रही हैं तो कहीं लेटकर फोटो खिंचवा रही हैं। मौनी की ये तस्वीरें इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रही हैं। दो चोटी और मिनिमल मेकअप में मौनी ने अपने चाहने वालों को दीवाना बना दिया है।

दिशा पाटनी ने किया रिएक्ट

इन फोटोज को शेयर करते हुए मौनी ने कैप्शन में लिखा, अभी सपना देख रही हूं। मौनी की इन फोटोज पर उनकी बेस्ट फ्रेंड दिशा पाटनी ने भी रिएक्शन दिया है। दिशा ने हार्ट इमोजी कमेंट किया है। फैंस भी मौनी की फोटोज देख उन पर अपना दिल हार बैठे हैं। अब तक इसे लाखों लोगों ने लाइक कर लिया है।

मौनी राय का वर्क फ्रंट

मौनी राय ने अपने करियर की शुरुआत साल २००६ में टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी से की थी। इसके बाद वह श्जरा नचके दिखा के पहले सीजन की विनर बनीं। मौनी ने कस्तूरी, दो सहेलियां और श्पति पत्नी और वो जैसे शोज में भी काम कर चुकी हैं।

मौनी राय को पापुलैरिटी देवों के देव... महादेव से मिली। इसके बाद वह एकता कपूर के सुपरनेचुरल टीवी सीरियल नागिन से घर-घर में मशहूर हो गईं। टीवी में कामयाबी का झंडा गाढ़ने के बाद मौनी ने बालीवुड की ओर रुख किया और यहां भी वह छा गईं। आखिरी बार एक्ट्रेस को ब्रह्मास्त्र- पार्ट वन में नेगेटिव रोल में देखा गया था।

इन खिलाड़ियों की एंट्री से खतरनाक हो जाएगी भारत की प्लेइंग 11

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव , ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा।

दिल्ली। एशिया कप में भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलना है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कोशिश अपनी सबसे मजबूत प्लेइंग इलेवन के साथ मैदान पर उतरने की होगी। भारत को पिछले साल एशिया कप में पाकिस्तान से हार झेलने के बाद टूर्नामेंट से बाहर जाना पड़ा था। ऐसे में टीम के कप्तान रोहित शर्मा इस बार कोई गलती नहीं दोहराना चाहेंगे। रोहित-गिल कर सकते हैं ओपनिंगरू शुभमन गिल वनडे में खुद को साबित कर चुके हैं। वह रोहित के साथ एशिया कप में टीम के लिए ओपनिंग करते नजर आ सकते हैं। रोहित शर्मा और शुभमन गिल दोनों ही तेज गति से रन बनाने में माहिर हैं। ऐसे में इन दोनों ही खिलाड़ियों की कोशिश टीम को एक ठोस शुरुआत देने की होगी। नंबर तीन पर विराट कोहली अपना काम सालों से बखूबी करते आ रहे हैं। भारतीय टीम में श्रेयस अय्यर और केएल राहुल की एंट्री से टीम को मजबूती मिली है। श्रेयस अय्यर नंबर चार पर टीम के लिए कई अहम पारियां खेल चुके हैं। ऐसे में वह एशिया कप में एक बार फिर नंबर चार की जिम्मेदारी उठा सकते हैं। दूसरी तरफ पांचवें नंबर पर केएल राहुल टीम को संभालने का काम कर सकते हैं। केएल राहुल के पास नंबर पांच पर बल्लेबाजी करने का अनुभव भी है। हार्दिक-जडेजा से उम्मीदें:र्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा के रूप में भारतीय टीम दो अ लराउंडर खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में शामिल कर सकती है। ये दोनों ही बल्लेबाज तेज गति से रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा गेंद से भी यह टीम को अहम समय पर विकेट दिलाने में काबिलियत रखते हैं। गेंदबाजों की बात करें तो कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के रूप में चार गेंदबाजों को भारत उतार सकता है।

दिल्ली। भारत अगले महीने दो प्रमुख एकदिवसीय टूर्नामेंटों में भाग लेगा - एशिया कप और उसके बाद विश्व कप। टीम इंडिया इन दोनों ही टूर्नामेंटों के दावेदारों में शामिल हैं, लेकिन कुछ चोटों के कारण उनके कुछ टाप खिलाड़ी लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं। इनमें से, जसप्रीत बुमराह ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी२० अंतरराष्ट्रीय सीरीज में सफल वापसी की है। दो और खिलाड़ी - श्रेयस अय्यर और केएल राहुल - एशिया कप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान के शख्स ने की खिंचाई, बोला- पहले इन्हें भेजो बरनोल अय्यर और राहुल दोनों ने बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट अकादमी में मैच सिमुलेशन से गुजरे हैं। हालांकि, राहुल के हाल ही में एक चोट के कारण और भी चिंता बढ़ गई है। १९८३ के एकदिवसीय विश्व कप विजेता मदन लाल का कहना है कि भारतीय टीम में अनुभव है, लेकिन अय्यर और राहुल की फिटनेस एक मुद्दा है। लाल ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया, मेरा चिंता का विषय केवल उनकी फिटनेस होगी। वे अनुभवी हैं, और उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। निश्चित रूप से, अगर वे कुछ मैच खेलते, तो यह आत्मविश्वास के लिए बेहतर होता। इससे उनको यह भी पता चलता कि अब वे चोट से मुक्त हैं। पूर्व भारतीय कोच और चयनकर्ता लाल का मानना है कि भारत एशिया कप जीतने में सक्षम है, लेकिन विश्व कप एक अलग चुनौती साबित होगा, जहां कई टाप टीमें खेलेंगी। भारत के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने किया एसेक्स के साथ करार, खेलेंगे अंतिम तीन मैच उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि वे एशिया कप जीतेंगे, लेकिन विश्व कप में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका जैसी टाप टीमें हैं। हर किसी के पास जीतने का मौका है। हम घर पर खेल रहे हैं, इसलिए हमारे पास एक फायदा है। लेकिन साथ ही, यह दबाव के कारण एक नुकसान में भी बदल सकता है। शुक्र है कि वे सभी अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे दबाव को संभालना जानते हैं। भारत की तैयारी एशिया कप में होगी, जो ३० अगस्त से शुरू होगा, और उसके बाद वे आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच भी खेलेंगे।

एक और स्वर्ण के लिए तैयार हैं नीरज फाइनल में पाकिस्तान के अरशद देंगे चुनौती

खेल। नीरज चोपड़ा ने पहले थ्रो में ही ८८.७७ मीटर दूर भाला फेंका। इसके साथ ही उन्होंने पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल कर लिया और फाइनल में प्रवेश कर लिया। उनके अलावा डीपी मनु और किशोर जेना भी फाइनल में पहुंच गए हैं। टोक्यो ओलंपिक विजेता नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को एक ही थ्रो में न सिर्फ पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल कर लिया बल्कि विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया। सिर्फ नीरज ही नहीं देर से वीजा मिलने के चलते अंतिम क्षणों में बुडापेस्ट पहुंचने वाले किशोर जेना और डीपी मनु ने भी भाला फेंक के फाइनल में जगह बना ली। यह पहली बार है जब विश्व एथलेटिक्स की किसी एक इवेंट में तीन भारतीय एक साथ फाइनल में पहुंचे हैं। नीरज ने अपनी पहली ही थ्रो में ८८.७७ मीटर भाला फेंका। यह सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

फाइनल में पहुंचने वाले 12 थ्रोअरों में शीर्ष पर रहे

नीरज फाइनल में पहुंचने वाले १२ थ्रोअरों में शीर्ष पर रहे। फाइनल में पहुंचने के लिए स्वतरू क्वालिफिकेशन मानक ८३ मीटर रखा गया था, जबकि ८५.५० मीटर पेरिस ओलंपिक का क्वालिफाइंग मानक था। नीरज ने दोनों ही लक्ष्य एक ही थ्रो में पार कर लिए।

टोक्यो में भी पहली थ्रो में फाइनल में पहुंचे थे

टोक्यो ओलंपिक में भी नीरज एक थ्रो के दम पर फाइनल में पहुंचे थे। वहां उन्होंने ८६.६५ की थ्रो लगाई थी।

फाइनल में वह ८७.५८ मीटर के साथ विजेता बनें। यूगेन (अमेरिका) में बीते वर्ष हुई विश्व चौंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए भी नीरज ने सिर्फ एक थ्रो का सहारा लिया था।
वहां उन्होंने ८८.३६ मीटर की थ्रो लगाई थी। नीरज यहां रजत पदक जीते थे। अब वह २७ अगस्त को फाइनल में उतरेंगे और अपना पहला विश्व चौंपियनशिप का स्वर्ण जीतने की कोशिश करेंगे।

छठे, नौवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे मनु, किशोर

भारत के लिए उपलब्धि की बात डीपी मनु और किशोर जेना का फाइनल में पहुंचना रहा। मनु ने अपनी अंतिम थ्रो में ८१.३१ मीटर भाला फेंका। वह फाइनल में पहुंचे १२ थ्रोअरों में छठे स्थान पर रहे। वहीं किशोर जेना ने ८०.५५ मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो लगाई। वह नौवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। जेना का इस चौंपियनशिप में खेलना संभव नहीं लग रहा था। उनका हंगरी दूतावास की ओर से वीजा जारी नहीं किया गया था। नीरज चोपड़ा ने खुद ने उनका वीजा जारी करने की गुहार लगाई थी, जिससे वह पहली बार विश्व चौंपियनशिप में खेल सकें। इसके बाद खेल मंत्रालय और साई के प्रयासों से उन्हें तत्काल वीजा जारी किया और वह विश्व चौंपियनशिप शुरू होने से ठीक पहले बुडापेस्ट पहुंचे।

नीरज समेत तीन ने लगाई 83 मीटर से ज्यादा की थ्रो

फाइनल में पहुंचने वाले १२ थ्रोअरों में सिर्फ तीन ऐसे रहे जिन्होंने ८३ मीटर के स्वतरू क्वालिफिकेशन को पार किया। इनमें नीरज चोपड़ा के अलावा पाकिस्तान के अरशद नदीम (८६.७६) और टोक्यो ओलंपिक में रजत जीतने वाले चेक गणराज्य के जैकब वादलेज्चे (८३.५० मीटर) शामिल हैं। बाकी नौ थ्रोअरों ने ८३ मीटर से नीचे का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। क्वालिफिकेशन दौर में तीन थ्रो करने को मिलते हैं। गत विजेता ग्रेनाडा के एंडर्सन पीटर्स क्वालिफिकेशन दौर में ही बाहर हो गए। उन्होंने ७८.४६ मीटर की थ्रो लगाई।

पाकिस्तान के अरशद देंगे फाइनल में नीरज को चुनौती

जकार्ता एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम लंबे समय से चोटिल चल रहे थे। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ९० मीटर से अधिक दूरी भाला फेंककर स्वर्ण जीतने वाले अरशद ने इस सत्र में किसी बड़ी इवेंट में शिरकत नहीं की, लेकिन यहां उन्होंने ७०.६३ मीटर की थ्रो से शुरुआत की, लेकिन अंत में उन्होंने ८६.७६ मीटर की बड़ी थ्रो लगाकर फाइनल में प्रवेश किया। यह नीरज के बाद सर्वश्रेष्ठ थ्रो थी। वह ग्रुप बी में शीर्ष पर रहे। फाइनल में नीरज और अरशद के बीच रोचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः- 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।